3/7/20- विभाग- हिन्दी नाम- डॉ॰ साधना कुमारी Time-1030 to 1120

Lecture-1

भाषा विज्ञान के अध्ययन की उपयोगिता

भाषा विज्ञान किसी भी भाषा का अध्ययन का मूल आधार होता है। उसके द्वारा लिखित एवं अलिखित साहित्य एवं असाहित्य प्रचारित एवं अप्रचारित देशी एवं अदेशी राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय एक देशी एवं बहुदेशी तथा विकसित एवं अविकसित सभी प्रकार के भाषाओं का अध्ययन किया जाता है।

अतः इसकी उपयोगिता सर्वोपरि है और प्रत्येक विकसित एवं विकासशील राष्ट्रीय उसके अध्ययन एवं अनुसरण में भिन्न देखा जाता है क्योंकि भाषा विज्ञान से ही यह पता चलता है कि भाषा के संबंध भाषा क्या है।

1 उसके कौन-कौन से अंग होते हैं
2 भाषा की उत्पत्ति कैसे हुई।
3 क्या भाषा परंपरागत वस्तु है, या अर्जित वस्तु है।
4 भाषा के कौन-कौन से परिवार है।
5 भाषा का सांस्कृतिक महत्व क्या है।
6 किसी भी भाषा परिवार की मूल भाषा कौन सी है।
7 क्या सभी भाषा एक ही स्रोत से विकसित हुई। या अनेक स्रोत अलग-अलग है।
8 कोई भी भाषा कैसे विकसित हुई।
9 कैसे अविकसित अवस्था में ही रह जाती है।
10 भाषा की जीवन शक्ति कौन-कौन सी है।
11 विभिन्न भाषा में भिन्न-भिन्न प्रणालियों से कैसे भाव प्रकाशन की एवं उसकी शक्ति ग्रहण की है।
12 परस्पर संबंध भाषाएँ कालांतर में कैसे पूर्णतया भिन्न एवं अलग हो जाती है।
13 किस प्रकार भाषाएं विकसित होकर नए-नए रूप ग्रहण किया

सुविधाएं प्रदान करता है। भाषा विज्ञान ही यथार्थ रूप में यह समझता है कि —
(1) भाषा की कौन-कौन सी ध्वनियाँ होती हैं।
(2) कौन-कौन सी प्रचलित ध्वनियाँ हैं।
(3) कौन-कौन आगत (आया हुआ) ध्वनियाँ हैं।
(4) भाषा विज्ञान ही देशी एवं अदेशी ध्वनि के भेद को स्पष्ट करता है।
(5) ध्वनियों के परिवर्तन की दिशाएँ समझाता है।
(6) ध्वनिपरिवर्तन के कारणों का ज्ञान कराता है।
(7) विभिन्न ध्वनि नियमों की जानकारी कैसे प्रदान करता है।
(8) एक ध्वनि से दूसरे ध्वनि में कैसे और क्यों भेद उत्पन्न हो जाता है।
(9) ध्वनियों के उच्चारण में क्यों भिन्नताएं आ जाती हैं।
(10) भिन्न भिन्न कालों में किस तरह ध्वनियों के उच्चारण परिवर्तन हो जाते हैं।
(11) किस तरह अनेक ध्वनियाँ लुप्त हो जाते हैं।

भाषा विज्ञान ही यह बता सकता है, किस तरह "ष" ध्वनि कहीं 'ख' और कहीं 'क' की तरह बोली जाती है जिसके परिणाम स्वरूप वरषा शब्द कहीं बरखा या वर्षा हो जाता है। ऐसा ही किस तरह 'र' या ही 'री' कहीं 'रु' की तरह बोली जाती है। जिसे वृक्ष शब्द का रूपांतरण कहीं तो बृरक्ष हुआ है। कहीं रुरत हो जाता है। इस तरह ध्वनि संबंधित विभिन्न समस्या का समाधान एक मात्र भाषा विज्ञान के द्वारा ही हो सकता है।

शब्द का संबंध — भाषा विज्ञान के द्वारा ही शब्दों का संपूर्ण ज्ञान प्राप्त होता है, क्योंकि भाषा विज्ञान ही यह